



# Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 41-2018] CHANDIGARH, TUESDAY, OCTOBER 9, 2018 (ASVINA 17, 1940 SAKA)

## PART – I

### Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

#### हरियाणा सरकार

पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग

#### अधिसूचना

दिनांक 25 सितम्बर, 2018

**संख्या 12/215-2017-Pura/3791-96.**— चूंकि, हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेषों तथा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों का पंजाब प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन संरक्षण अपेक्षित है;

इसलिए, अब, पंजाब प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20), की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा अनुसूची के खाना 1, 2, 3, 4, 5 तथा 6 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों, यदि कोई हों, सहित, जो अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जायें, पर विचार करेगी:—

#### अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव / शहर का नाम	तहसील / जिले का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा / किला संख्या	संरक्षित किये जाने वाला क्षेत्र	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
लाल गुंबद	लाल गुंबद	सोहना	सोहना / जिला गुडगांव	195 14, 195 7, 195 8 / 1	कनाल—मरला 16 — 18	शामलात पट्टी	मकबरे को स्थानीय भाषा में लाल गुंबद कहा जाता है जो कि लोधी समय काल से सम्बन्ध रखता है। इस मकबरें में दो जुड़वा मकबरें हैं और साथ लगता एक ओर मकबरा है। जुड़वा मकबरे के बरामदे के लालरेत पत्थर स्तंभ अपने स्थानीय नाम के लिए जिम्मेदार हैं। जुड़वा मकबरा एक आयातकार संरचना है जिसमें दो वर्ग के मकबरे हैं। बरामदा छत को समर्थन देने वाले कॉलम से बना है जिसके ऊपर छिद्रित गुंबद आकार की छत

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/ शहर का नाम	तहसील/ जिले का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/ किला संख्या	संरक्षित किये जाने वाला क्षेत्र	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
							है जो अष्टकोणिय ड्रम पर बनी हुई है। यह मकबरा रबल मैसनरी तथा लाल पत्थर से निर्मित है जिस पर चुने की लिपाई की गई है। यह स्मारक लगभग 1475 से 1525 ईसवी अर्थात् पन्द्रवीं-सोलहवीं शताब्दी में दिनांकित किया गया है।

धीरा खण्डेलवाल,  
अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,  
पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग

**HARYANA GOVERNMENT**  
**ARCHAEOLOGY AND MUSEUMS DEPARTMENT**

**Notification**

The 25th September, 2018

**No. 12/215-2017-Pura/3791-96.**— Whereas, the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological sites and remains and ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below requires protection under the Punjab Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Punjab Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monuments specified in column 1 of Schedule given below, to be protected monuments and the archaeological sites and remains specified in columns 1, 2, 3, 4, 5 and 6 of said Schedule to be protected area.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, which may be received by the Additional Chief Secretary to Government Haryana, Archaeology and Museums Department, Chandigarh from any person with respect to the proposal before the expiry of the period so specified:-

**SCHEDULE**

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village / city	Name of Tehsil and district.	Revenue Khasra /Kila number under protection.	Area to be protected	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Lal Gumbad	Lal Gumbad	Sohna	Tehsil Sohna, District Gurgaon	195 14, 195 7, 195 8/1	Kanal – Marla 16 - 18	Shamlat Patti	The tomb is locally known as Lal Gumbad which belongs to Lodi period. The tomb complex consists of twin tombs and one adjoining single tomb. The red sandstone columns of the porch of twin tomb are responsible for its local name 'Lal Gumbad'. Twin tomb is a rectangular structure consisting of two square tombs. Porch is composed of columns supporting a ribbed domical roof, on an octagonal drum. The construction materials are rubble and red sandstone with lime surkhi mortar. The monument is dated back to 1475-1525 i.e. circa 15th – 16th century AD.

DHEERA KHANDELWAL,  
Additional Chief Secretary to Government Haryana,  
Archeology & Museums Department.